

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय पंतनगर, जिला- रुधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

किसान मेला के उद्घाटन सत्र के अतिथियों द्वारा दिया गया जैविक खेती पर बल

पंतनगर। 07 मार्च 2019। पंतनगर विश्वविद्यालय में उत्तर क्षेत्र क्षेत्रीय कृषि मेला-सह-105वें अखिल भारतीय किसान मेले का आज गांधी मैदान में उद्घाटन हुआ। प्रगतिशील कृषक पद्मश्री भारत भूषण त्यागी ने किसान मेले का फीता काटकर उद्घाटन किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति, डा. तेज प्रताप; स्थानीय विधायक, श्री राजेश शुक्ला; भारत सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के अपर आयुक्त, डा. वाई.आर. मीणा; निदेशक प्रसार शिक्षा, डा. वाई.पी.एस. डबास; के अतिरिक्त अन्य अतिथि एवं वैज्ञानिक उपस्थित थे। कुलपति, डा. तेज प्रताप द्वारा पद्मश्री भारत भूषण त्यागी एवं पद्मश्री कंवल सिंह चौहान को मेले में लगी उद्यान प्रदर्शनी एवं विश्वविद्यालय के स्टालों का अवलोकन कराया गया। इसके बाद कुलपति ने अतिथियों को खुली जीप में बैठाकर मेला प्रांगण का भ्रमण कराया। मुख्य उद्घाटन समारोह गांधी हाल सभागार में आयोजित किया गया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि के अपने संबोधन में पद्मश्री भारत भूषण त्यागी द्वारा कहा गया कि किसानों की आय को दोगुना करने हेतु समन्वित प्रयास किये जाने की आवश्यकता है। उन्होंने जैविक खेती पर बल देते हुए कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा जैविक खेती पर छोटे-छोटे मॉडल लगाये जाने चाहिए। उन्होंने प्रकृति की व्यवस्था समझकर उससे बिना कोई छेड़-छाड़ किये खेती किये जाने के तरीके अपनाये जाने पर बल दिया। मेले में दूसरे मुख्य अतिथि पद्मश्री कंवल सिंह चौहान ने कहा कि भारत में खेती की बहुत संभावनाएं हैं तथा यह देश विश्व की फूड फैक्ट्री बन सकता है। उन्होंने रासायनिक खेती पर अनुसंधान कर कुछ वर्षों बाद इस पर प्रतिबंध लगाने की बात कही। साथ ही किसानों के समूह बनाकर जैविक खेती करने का सुझाव दिया। कृषि में पशुधन के योगदान को महत्वपूर्ण बताते हुए उसके गोबर व मूत्र का प्रयोग करने तथा स्थानीय नस्लों को बढ़ावा देने की उन्होंने बात कही।

उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता कर रहे स्थानीय विधायक, श्री राजेश शुक्ला, ने कहा कि किसानों ने अपनी मेहनत से कृषि उत्पादन तो बढ़ा लिया लेकिन उनके उत्पाद का अच्छा मूल्य नहीं मिल पा रहा है। आज भी उन्हें अपने उत्पाद विक्रय करने के लिए चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है और यही वजह है कि किसान का बच्चा किसान नहीं बनना चाहता। उन्होंने इस मुद्दे पर गहन विचार करने की आवश्यकता बतायी। श्री शुक्ला ने कहा कि जिन क्षेत्रों में हरित क्रांति का प्रभाव साकारात्मक नहीं रहा उन क्षेत्रों में इन्द्रधनुषीय क्रांति लाने की जरूरत है, यानि किसानों की रूचि व क्षेत्र की आवश्यकता के अनुसार कृषि के विभिन्न आराम जैसे पुष्पोत्पादन, फलोत्पादन, मशरूम उत्पादन, मुर्गी पालन, पशुपालन, मछली पालन, इत्यादि, को अपनाये जाने की आवश्यकता है।

कुलपति डा. तेज प्रताप ने कहा कि कृषि कुंभ से विख्यात यह किसान मेला किसानों के लिए महत्वपूर्ण आयोजन है, जिससे किसान के खेती करने के नजरियें में बदलाव आता है तथा उसकी खेती बेहतर व लाभप्रद होती है। डा. प्रताप ने कहा कि नये दौर की कृषि का प्रादुर्भाव २०२० से २०५० के बीच होने वाला है तथा जैविक खेती भारत के लिए आवश्यक है। उन्होंने कहा कि अभी बहुत कम किसान नये दौर की खेती कर रहे हैं, जिनसे अन्य किसानों को मार्गदर्शन प्राप्त हो सकता है। इस किसान मेले में मुख्य अतिथि के रूप में बुलाये गये ऐसे ही किसान अपने व्याख्यानों से इस किसान मेले में आये किसानों को नये दौर की खेती की ओर ले जायेंगे।

डा. वाई.आर. मीणा ने समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में बोलते हुए कहा कि पंतनगर विश्वविद्यालय शोध के क्षेत्र में अग्रणी है और यह किसान मेला अन्तर्राष्ट्रीय स्तर की ख्याति प्राप्त कर चुका है। यह मेला बिना किसी व्यवधान के लगातार आयोजित होता आ रहा है। इस किसान मेले के दौरान किसान विश्वविद्यालय द्वारा किये गये, अनुसंधान, उपलब्ध कराये गये। कृषि निवेश, बीज, खाद इत्यादि से संबंधित जानकारियों को अर्जित करते हैं और उन्हें अपने खेतों में उपयोग करते हैं। डा. मीणा ने कहा कि मेले में आये किसान भारत सरकार द्वारा किसानों के लिए चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं की जानकारी लें और उनका लाभ उठायें।

उद्घाटन सत्र के प्रारम्भ में निदेशक प्रसार शिक्षा डा. डबास ने सभी आगंतुकों का स्वागत किया एवं मेले के विषय में जानकारी दी। कार्यक्रम के अंत में विश्वविद्यालय के निदेशक शोध, डा. एस.एन. तिवारी, ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। इस अवसर पर मंचासीन अतिथियों द्वारा विभिन्न कृषि साहित्यों का विमोचन भी किया गया, साथ ही उत्तराखण्ड के विभिन्न जनपदों से चयनित प्रगतिशील किसानों को सम्मानित किया गया। गांधी हाल में बड़ी संख्या में किसान, विद्यार्थी, वैज्ञानिक, शिक्षक, अधिकारी एवं अन्य आगंतुक उपस्थित थे। मेले में उत्तराखण्ड के विभिन्न जनपदों के साथ-साथ अन्य प्रदेशों तथा नेपाल के किसान भी बड़ी संख्या में आते हैं।



किसान मेले का फीता काटकर उद्घाटन करते पद्मश्री भारत भूषण त्यागी, साथ में पंतनगर विश्वविद्यालय के कुलपति, डा. तेज प्रताप; स्थानीय विधायक, श्री राजेश शुक्ला; भारत सरकार के कृषि मंत्रालय के अपर आयुक्त प्रसार, डा. वाई.आर. मीणा; निदेशक प्रसार शिक्षा, डा. वाई.पी.एस. डबास एवं अन्य वैज्ञानिक।



किसान मेले में लगी उद्यान प्रदर्शनी व प्रतियोगिता में प्राप्त प्रविष्टियों का अवलोकन करते अतिथि, कुलपति एवं स्थानीय विधायक।